



नए समाज की ओर
Towards a new dawn



Ministry of Women and
Child Development
Government of India



Beti Bachao Beti Padhao

Operational Manual



INTRODUCTION

Beti Bachao Beti Padhao (BBBP) Scheme was launched on 22nd January, 2015 to address the issue of decline in Child Sex Ratio (CSR) in the country along with related issues of empowerment of girls and women, over a life cycle continuum. In the 15th Finance Commission period, the scheme is being operated/implemented as a component of the Sambal sub-scheme of Mission Shakti.

The scheme, which was earlier **operational in 405 districts, is now being expanded to cover all the districts of the country** through multi-sectoral interventions. This requires horizontal and vertical convergent action with concerned Ministries/Departments and other stakeholders at all levels, for policy and programmatic interventions, outreach, capacity building and communication.



Beti Bachao Beti Padhao scheme aims to achieve the following:

- **Improvement in the Sex Ratio at Birth (SRB)** by 2 points every year,
- **Improvement in the percentage of institutional deliveries** or sustained at the rate of 95% or above,
- **1% increase in 1st Trimester Anti-Natal Care (ANC) Registration** per year, and
- **1% increase in enrolment** at secondary education level and skilling of girls/women per year.
- **To check dropout rate among girls** at secondary and higher secondary levels.
- **Raising awareness about safe Menstrual Hygiene Management (MHM).**

There is no provision for Direct Benefit Transfer (DBT) or creation of capital assets under the Beti Bachao Beti Padhao. The scheme is primarily focused on creating behavioural and social change in the way the girl child is perceived across the country by informing, influencing, motivating, engaging and empowering all stakeholders. It will encourage spending on activities that have ground impact through convergent action.





बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ - बालिका शिशु की देखभाल



हमारा मंत्र होना चाहिए: 'बेटा बेटी एक समान'

“आइए कन्या के जन्म का उत्सव मनाएं। हमें अपनी बेटियों पर बेटों की तरह ही गर्व होना चाहिए। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि अपनी बेटी के जन्मोत्सव पर आप पांच पेड़ लगाएं।” - प्रधान मंत्री ने अपने गोद लिए गांव जयापुर के नागरिकों से

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत प्रधान मंत्री ने 22 जनवरी 2015 को पानीपत, हरियाणा में की थी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से पूरे जीवन-काल में शिशु लिंग अनुपात में कमी को रोकने में मदद मिलता है और महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े मुद्दों का समाधान होता है। यह योजना तीन मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित की जा रही है अर्थात महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन मंत्रालय।

इस योजना के मुख्य घटकों में शामिल हैं प्रथम चरण में PC तथा PNMT Act को लागू करना, राष्ट्रव्यापी जागरूकता और प्रचार अभियान चलाना तथा चुने गए 100 जिलों (जहां शिशु लिंग अनुपात कम है) में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कार्य करना। बुनियादी स्तर पर लोगों को प्रशिक्षण देकर, संवेदनशील और जागरूक बनाकर तथा सामुदायिक एकजुटता के माध्यम से उनकी सोच को बदलने पर जोर दिया जा रहा है।

संबंधित समाचार

